"अति स्पेक्ट्रमी विज्ञान एवं अनुप्रयोग"

पर टीआरईईएस प्रशिक्षण

पृथ्वी पारिस्थितिकी तंत्र अनुसंधान एवं प्रशिक्षण प्रभाग (ईआरटीडी)

वेदास अनुसंधान समूह (वीआरजी), ईपीएसए, दिनांक : 27-31 अगस्त, 2018

"अति स्पेक्ट्रमी विज्ञान एवं अनुप्रयोग" पर पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में देशभर के 14 संस्थानों/संगठनों से 20 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

अति स्पेक्ट्रमी विज्ञान के विविध पहलुओं पर लगभग 15 व्याख्यान दिए गए। अति स्पेक्ट्रमी सुदूर संवेदन और उसके संभावित अनुप्रयोग विषय पर व्याख्यान के साथ कार्यक्रम की शुरूआत की गई। अति स्पेक्ट्रमी संवेदक हवाई एवं उपग्रह आधारित प्रतिबिंबन, अति स्पेक्ट्रमी डेटा उत्पाद के विश्लेषण के लिए, वायुमंडलीय संशुद्धि उपकरण, अति स्पेक्ट्रमी डेटा का अंशांकन एवं वैधीकरण के मूल पर जानकारी प्रदान की गई।

इन मूल सिद्धांतों एव उपकरणों के अलावा, कृषि फसलों, मृदा, मैनग्रोव पारिस्थितिकी, शहरी उपयोग, तटीय अध्ययन, हिम तथा ग्लेशियर अनुप्रयोगों, जल गुणता, जैविक समुद्रविज्ञान, पर्यावरणीय उपयोग, मेघ सूक्ष्मभौतिकी गुणधर्मों की पुन: प्राप्ति तथा अति स्पेक्ट्रमी डेटा के उन्नत तकनीकी को भी सम्मलित किया गया। कृषि, वानिकी, शहरी हिम तथा जल संबद्ध जैसे विभिन्न विषयों के एवीआईआरआईएस डेटा संचालन, विश्लेषण तथा अनुप्रयोग पर 17 घंटों ट्यूटोरियल/ प्रयोग आयोजित किए गए जिससे वे समझाए गए सैद्धांतिक पहलुओं को भलीभांति समझ सकें। प्रतिभागियों ने पाठ्यसामग्री और उसके प्रस्तुतीकरण की खूब सराहना की। प्राप्त फीडबैक उत्साहजनक रहे; अधिकांश प्रतिभागियों ने अनुसंधान कार्यक्रम पर काम करने में अभिरूचि प्रदर्शित की। श्री दीपक दास, निदेशक, सैक द्वारा प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।